DAINIK JAGRAN, Agra, 14.9.2018
Page No. 6, Size:(13.36)cms X (16.25)cms.

आधार लिंक करते ही ढहा नकलचियों का किला

यूपी बोर्ड परीक्षा में महज 424 अभ्यर्थियों ने भरे व्यक्तिगत फॉर्म

संदीप शर्मा, आगरा

तिजारत (व्यापार) की बुनियाद पर तालीम की इमारत खड़ी करने वाले नकल माफियाओं के किले को आधार ने ढहा दिया है। व्यक्तिगत परीक्षार्थियों के आधार को फार्म से लिंक करते ही आंकड़ा हजारों से कुछ सौ पर सिमट गया है। इस सत्र की यूपी बोर्ड की परीक्षाएं सात फरवरी से होना प्रस्तावित है। पंजीकरण के लिए आधार अनिवार्य कर दिया है। कभी व्यक्तिगत फॉर्म भरने वाले अभ्यर्थियों की संख्या हजारों में होती थी। इस नियम के लागू होने के बाद यह महज 424 पर सिमट गई।

संस्थागत छात्र भी हुए कम: ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में बरती सख्ती से संस्थागत छात्रों की संख्या में भी खासी कमी आई है। हाईस्कूल में 10370 और इंटर में 7155 आवेदन कम हुए।

प्रशासन के इस निर्णय से मंडल में शिक्षा के गिरते स्तर को रोका जा सकता है। यूपी बोर्ड की परीक्षा के सहारे सिर्फ प्रदेश के ही नहीं आसपास के राज्यों के फर्जी छात्र भी तैयार रहते हैं।

2017-18 में स्थिति

हाईस्कूल
76116 संस्थागत
1248 व्यक्तिगत

इंटर
66941 संस्थागत
1563 व्यक्तिगत

2016-17 में स्थिति

हाईस्कूल में
72222 संस्थागत
8766 व्यक्तिगत

इंटर में
59653 संस्थागत
6227 व्यक्तिगत

इस बार पंजीकरण की स्थिति

- 125948 कुल छात्र 2018-19 की परीक्षा में होंगे शामिल
- 65738 संस्थागत छात्र हाईस्कूल में हुए पंजीकृत
- 72 व्यक्तिगत छात्रों ने फॉर्म भरे हैं हाईस्कूल में इस बार
- 59786 संस्थागत छात्र इंटर में इस बार हुए हैं पंजीकृत
- 352 फॉर्म व्यक्तिगत छात्रों ने भरे हैं परीक्षा फार्म

बोर्ड परीक्षा फार्मों के सत्यापन का काम पूरा हो चुका है। ऑनलाइन पंजीकरण में आधार नंबर अनिवार्य होने से फर्जी अभ्यर्थियों ने यहां का रुख ही नहीं किया।

रवींद्र सिंह, डीआइओएस

कम होने के कारण

- बाहरी राज्यों के छात्रों की संख्या सख्ती से 10 पर रोकी गई।
- नकल विहीन परीक्षा को कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे, वॉयस रिकार्डर लगाए।
- परिणाम का फीसद गिरने से बाहरी छात्रों का हुआ बोर्ड से मोह भंग।
- फर्जी प्रमाण पत्र लगाकर भरे जाने वाले फॉर्मों की कड़ी स्क्रीनिंग।